Shri Nathji Sandhya Aarti Gorakhnath Math Lyrics in Hindi and English

Shri Nathji Sandhya Aarti Gorakhnath Math Lyrics in Hindi

ऊँ गुरुजी शिव जय जय गोरक्ष देवा। श्री अवधू हर हर गोरक्ष देवा ।
सुर नर मुनि जन ध्यावत, सुर नर मुनि जन सेवत ।
सिद्ध करैं सब सेवा, श्री अवधू संत करैं सब सेवा ।
शिव जय जय गोरक्ष देवा ॥

ऊँ गुरुजी योग युगति कर जानत मानत ब्रह्म ज्ञानी ।
श्री अवधू मानत सर्व ज्ञानी ।
सिद्ध शिरोमणि राजत संत शिरोमणि साजत ।
गोरक्ष गुण ज्ञानी, श्री अवधू गोरक्ष सर्व ज्ञानी ।
शिव जय जय गोरक्ष देवा ॥

ऊँ गुरुजी ज्ञान ध्यान के धारी गुरु सब के हो हितकारी ।
श्री अवधू सब के हो सुखकारी ।
गो इन्द्रियों के रक्षक सर्व इन्द्रियों के पालक ।
राखत सुध सारी, श्री अवधू राखत सुध सारी ।
शिव जय जय गोरक्ष देवा ॥

ऊँ गुरु जी रमते श्रीराम सकल युग माही छाया है नाहीं ।
श्री अवधू माया है नाहीं ।
घट घट के गोरक्ष व्यापै सर्व घट श्री नाथ जी विराजत ।
सो लक्ष मन मांही श्री अवधू सो लक्ष दिल मांही ।
शिव जय जय गोरक्ष देवा ॥

ऊँ गुरुजी भस्मी गुरु लसत सरजनी है अंगे ।
श्री अवधू जननी है संगे ।
वेद उच्चारे सो जानत योग विचारे सो मानत ।
योगी गुरु बहुरंगा श्री अवधू बोले गोरक्ष सर्व संगा ।
शिव जय जय गोरक्ष देवा ॥

ऊँ गुरु जी कंठ विराजत सेली और श्रृंगी जत मत सुखी बेली ।
श्री अवधू जत सत सुख बेली ।
भगवा कंथा सोहत-गेरुवा अंचला सोहत ज्ञान रतन थैली ।
श्री अवधू योग युगति झोली ।
शिव जय जय गोरक्ष देवा ॥

ऊँ गुरु जी कानों में कुण्डल राजत साजत रवि चन्द्रमा ।
श्री अवधू सोहत मस्तक चन्द्रमा ।
बाजत श्रृंगी नादा-गुरु बाजत अनहद नादा-गुरु भाजत दु:ख द्वन्दा ।
श्री अवधू नाशत सर्व संशय
शिव जय जय गोरक्ष देवा ॥

ऊँ गुरु जी निद्रा मारो गुरु काल संहारो-संकट के हो बैरी
श्री अवधू दुष्टन के हो बैरी

करो कृपा सन्तन पर-गुरु दया पालो भक्तन पर शरणागत तुम्हारी
शिव जय जय गोरक्ष देवा ॥

ऊँ गुरु जी इतनी श्रीनाथ जी की संध्या आरती
निश दिन जो गावे-श्री अवधू सर्व दिन रट गावे
वर्णी राजा रामचन्द्र स्वामी गुरु जपे राजा रामचन्द्र योगी
मनवांछित फल पावे श्री अवधू सुख सम्पत्ति फल पावे ।
शिव जय जय गोरक्ष देवा ॥

Shri Nathji Sandhya Aarti Gorakhnath Math Lyrics in English

Om Guruji Shiv Jai Jai Gorakh Deva,
Shri Avadhu Har Har Gorakh Deva.
Sur Nar Muni Jan Dhyavat, Sur Nar Muni Jan Sevat,
Siddh Karain Sab Seva, Shri Avadhu Sant Karain Sab Seva.
Shiv Jai Jai Gorakh Deva.

Om Guruji Yog Yukti Kar Janat Maant Brahm Gyaani,
Shri Avadhu Maant Sarv Gyaani.
Siddh Shiromani Rajat Sant Shiromani Sajat,
Gorakh Gun Gyaani, Shri Avadhu Gorakh Sarv Gyaani.
Shiv Jai Jai Gorakh Deva.

Om Guruji Gyaan Dhyaan Ke Dhaari Guru Sab Ke Ho Hitkaari,
Shri Avadhu Sab Ke Ho Sukhkaari.
Go Indriyon Ke Rakshak Sarv Indriyon Ke Paalak,
Rakhata Sudh Saari, Shri Avadhu Rakhata Sudh Saari.
Shiv Jai Jai Gorakh Deva.

Om Guruji Ramte Shri Ram, Sakal Yug Maahi Chhaya Hai Naahin,
Shri Avadhu Maya Hai Naahin.
Ghat Ghat Ke Gorakh Vyapai Sarv Ghat Shri Nath Ji Virajat,
So Laksh Man Maahi Shri Avadhu So Laksh Dil Maahi.
Shiv Jai Jai Gorakh Deva.

Om Guruji Bhasmi Guru Lasat Sarjani Hai Ange,
Shri Avadhu Janani Hai Sange.
Veda Uchchare So Janat Yog Vichare So Maant,
Yogi Guru Bahuranga Shri Avadhu Bole Gorakh Sarv Sanga.
Shiv Jai Jai Gorakh Deva.

Om Guru Ji Kanth Virajat Seli Aur Shrungi Jat Math Sukhi Beli,
Shri Avadhu Jat Sat Sukhi Beli.
Bhagwa Kantha Sohat-Geruwa Anchala Sohat Gyaan Ratan Thaeli,
Shri Avadhu Yog Yukti Jhooli.
Shiv Jai Jai Gorakh Deva.

Om Guru Ji Kanto Mein Kundal Rajat Sajat Ravi Chandrama,
Shri Avadhu Sohat Mastak Chandrama.
Baajat Shrungi Naada-Guru Baajat Anhad Naada-Guru Bhaajat Dukh Dwanda,
Shri Avadhu Naasht Sarv Sanshay.
Shiv Jai Jai Gorakh Deva.

Om Guru Ji Nidra Maaro Guru Kaal Sankharo-Sankat Ke Ho Bairi,
Shri Avadhu Dushtan Ke Ho Bairi.
Karo Kripa Santan Par-Guru Daya Paalo Bhaktan Par Sharanagat Tumhari.
Shiv Jai Jai Gorakh Deva.

Om Guru Ji Itni Shri Nath Ji Ki Sandhya Aarti,
Nish Din Jo Gaave-Shri Avadhu Sarv Din Rat Gaave,
Varni Raja Ramchandra Swami Guru Jape Raja Ramchandra Yogi,
Manwanchhit Phal Paave Shri Avadhu Sukh Sampatti Phal Paave.
Shiv Jai Jai Gorakh Deva.

About Shri Nathji Sandhya Aarti Gorakhnath Math in English

“Shri Nathji Sandhya Aarti” is a devotional hymn dedicated to Lord Nath, primarily worshipped at the Gorakhnath Math, one of the most revered spiritual centers in India. This aarti is sung during the evening prayers (Sandhya) to honor Lord Nath, seeking his blessings for spiritual enlightenment, protection, and well-being. The Gorakhnath Math, associated with the legendary saint Gorakhnath, is a hub for yoga, meditation, and spiritual teachings, attracting devotees from across the world.

The aarti highlights the divine virtues of Lord Nath, emphasizing his role as a supreme yogi, the protector of devotees, and the remover of all obstacles. The hymn describes his divine form, adorned with symbols of spiritual wisdom, such as the trident, the sacred thread, and the eternal flame of knowledge. It also speaks of the deep connection between Lord Nath and his followers, urging them to meditate upon his divine qualities.

Chanting the “Shri Nathji Sandhya Aarti” is believed to bring mental peace, prosperity, and spiritual growth. Devotees sing it with deep devotion, seeking protection from negative energies and asking for blessings to lead a righteous and fulfilled life. This aarti is an integral part of the evening rituals at Gorakhnath Math, fostering a sense of inner peace and connection with the divine.

About Shri Nathji Sandhya Aarti Gorakhnath Math Lyrics in Hindi

“श्री नाथजी संध्या आरती” गोरखनाथ मठ के बारे में

“श्री नाथजी संध्या आरती” एक भक्ति भजन है जो भगवान श्री नाथजी की पूजा अर्चना के दौरान गाया जाता है, विशेष रूप से गोरखनाथ मठ में संध्या समय। यह आरती भगवान नाथजी की दिव्यता और उनके भक्तों पर कृपा के लिए गाई जाती है। गोरखनाथ मठ, जो संत गोरखनाथ द्वारा स्थापित है, एक महत्वपूर्ण योग और साधना केंद्र है। यहाँ भगवान नाथजी की पूजा के द्वारा भक्त अपने जीवन में शांति, समृद्धि और आध्यात्मिक उन्नति की कामना करते हैं।

इस आरती में भगवान श्री नाथजी के अद्वितीय रूप का वर्णन किया गया है, जिसमें उनकी दिव्य शक्ति, ज्ञान और योग का प्रमुख स्थान है। आरती के बोल भगवान नाथजी के आशीर्वाद और उनकी शक्ति के बारे में बताते हैं, जो उनके भक्तों को हर प्रकार की विपत्तियों से उबारने का सामर्थ्य रखते हैं। यह आरती भक्तों को मानसिक शांति, आत्मिक उन्नति और जीवन में संतुलन लाने के लिए प्रेरित करती है।

“श्री नाथजी संध्या आरती” को गाकर भक्त भगवान नाथजी से अपने पापों का नाश करने, आशीर्वाद प्राप्त करने और आध्यात्मिक मार्ग पर अग्रसर होने की प्रार्थना करते हैं। यह आरती गोरखनाथ मठ की संध्या पूजा का एक अभिन्न हिस्सा है, जो भक्तों को परमात्मा से जुड़ने और उनके आशीर्वाद को प्राप्त करने का अवसर देती है।